खसरा/मज़िल्स

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस]

हाल ही में दलि्ली में खसरे के मामलों और मृत्यु दर में उल्लेखनीय वृद्धिहुई है, जसिका कारण पछिले वर्षों में[कोवडि-19] **लॉकडाउन के दौरान मामलों की न्यून रपिोर्टगि** है।

- वर्ष 2020 और 2021 में कोवडि-19 लॉकडाउन के दौरान, फोकस एवं संसाधन मुख्य रूप से महामारी के प्रबंधन की ओर केंद्रति थे, जसिसे खसरे/मज़िल्स और अन्य बीमारयिों की नगिरानी पर उस स्तर पर ध्यान केंद्रति नहीं कयिा गया जतिनी कि इसकी आवश्यकता थी, जसिसे खसरे के मामलों में वृद्धिहुई, साथ ही समाज की कुछ समृद्ध वर्गों में भी टीका स्वीकृति से संबंधति चुनौतयिाँ दर्ज़ की गईं।

खसरा:

- **परचिय:**
  - खसरा वायरस **मॉर्बलिीवायरस जीनस** से आबद्ध, **राइबोन्यूक्लकि एसडि वायरस** है।
  - करीबी परचितिों को संक्रमति कर देगा। खसरा अत्यधकि संक्रामक बीमारी है और इससे संक्रमति व्यक्ति प्रायः अपने 90% से अधकि असुरक्षति नकिट संपर्कों में वायरस के संचार का करण बनता है।
  - वायरस पहले श्वसन तंत्र को संक्रमति करता है, फरि पूरे शरीर में फैल जाता है। खसरा एक मानव रोग है और यह जंतुओं में नहीं होता है।
  - खसरे को **दो-खुराक वाले टीके के माध्यम से पूरी तरह से रोका जा सकता है** और उन्नत स्वास्थ्य देखभाल प्रणालयिों वाले कई देशों में **इसे आधकिारकि तौर पर समाप्त कर दयिा गया है।**
- **उपचार:**
  - **खसरे के वायरस के लयि कोई वशिषि्ट एंटीवायरल** उपचार मौजूद नहीं है।
  - भोजन से होने वाली गंभीर जटलिताओं से चकित्सीय देखभाल के माध्यम से बचा जा सकता है जो अच्छा पोषण, पर्याप्त तरल पदार्थ का सेवन और नर्जिलीकरण का उपचार सुनश्चिति करता है।
- **रोकथाम:**
  - बच्चों के लयि नयिमति भोजन टीकाकरण, उच्च मामले और मृत्यु दर वाले देशों में **बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभयिान** के साथ, वैश्वकि भोजन से होने वाली मौतों को कम करने हेतु प्रमुख सार्वजनकि स्वास्थ्य रणनीतयिाँ हैं।
- **भारत में खसरा के मामले:**
  - वर्ष 2017 और वर्ष 2021 के बीच खसरा के मामलों में 62% की गरिावट आई, यानी प्रति दस लाख जनसंख्या पर मामलों की संख्या 10.4 से घटकर 4 हो गई है।

खसरे से नपिटने हेतु पहलें:

- **खसरा और रूबेला पहल:**
  - वर्ष 2001 में शुरू की गई खसरा एवं रूबेला पहल (M&R पहल) **अमेरकिन रेड क्रॉस,** संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन, रोग नयिंत्रण और रोकथाम केंद्र (CDC), [UNICEF] तथा [WHO] के नेतृत्व में एक वैश्वकि साझेदारी है।
  - पहल यह सुनश्चिति करने के लयि **प्रतबिद्ध है कि कोई भी बच्चा खसरे से न मरे या जन्मजात रूबेला सड्रिोम के साथ पैदा न हो।** हम देशों को खसरे और रूबेला को हमेशा के लयि रोकने के प्रयासों की योजना बनाने, वत्ति पोषण करने एवं मापने में सहायता करते हैं।
- **खसरा-रूबेला (MR) टीकाकरण:**
  - यह पूरे भारत में लगभग 41 करोड़ बच्चों को लक्षति करता है, **9 महीने से लेकर 15 वर्ष तक की आयु** के सभी बच्चों को उनके पछिले खसरा/रूबेला टीकाकरण की स्थति या खसरा/रूबेला रोग की स्थति के बावजूद एक खसरा-रूबेला(MR) टीका लगाया जाएगा।
- अन्य पहलों में [सार्वभौमकि टीकाकरण कार्यक्रम] **(Universal Immunization Programme- UIP), [मशिन इंद्रधनुष] और [सघन मशिन इंद्रधनुष] शामलि हैं।**

UPSC सवििल सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:(2021)

1. एडेनोवायरस में सिंगल-स्ट्रैंडेड डीएनए जीनोम होते हैं,जबकि रेट्रोवायरस में डबल-स्ट्रैंडेड डीएनए जीनोम होते हैं।
2. सामान्य सर्दी कभी-कभी एडेनोवायरस के कारण होती है, जबकि एड्स रेट्रोवायरस के कारण होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/measles-13